संपादकीय

सबको मिले फायदा

सरकार आयुष्मान भारत योजना में हो रही गड़बड़ियों को दूर करने के लिए कई कदम उठाने जा रही है। वह धोखाधड़ी कर पैसा बनाने वाले अस्पतालों के नाम नेम एंड शेम की श्रेणी में डालकर सार्वजनिक करेगी। ऐसे अस्पतालों के नाम वेबसाइट पर डाले जाएंगे। ये अस्पताल सिर्फ आयुष्मान भारत स्कीम से ही नहीं हटाए जाएंगे बल्कि बाकी सरकारी योजनाओं और प्राइवेट इंश्योरेंस के पैनलों से भी इन्हें बाहर किया जाएगा। इस योजना में धोखाधड़ी के 1200 मामले अब तक पकड़ में आए हैं और 376 अस्पताल जांच के दायरे में हैं। 97 अस्पतालों को अब तक पैनल से हटा दिया गया है और 6 अस्पतालों के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज हुई हैं।

अस्पतालों पर कार्रवाई करना बेहद जरूरी था क्योंकि पिछले कुछ समय से अनेक अस्पतालों ने इस योजना का मखौल बना दिया था। नेशनल हेल्थ अथॉरिटी (एनएचए) की एंटी फ्रॉड यूनिट द्वारा उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और झारखंड सहित कई राज्यों में आयुष्मान भारत स्कीम के तहत चल रही धोखाधड़ी के हैरतअंगेज मामले पकड़े गए हैं।आयुष्मान योजना की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वास्तविक लाभार्थियों तक इसका लाभ पहुंचे। योजना का ढांचा ही ऐसा है कि इससे जुड़ी जानकारियां साधारण आदमी तक पहुंच नहीं पातीं। अगर गड़बड़ी करने वाले अस्पतालों के नाम वेबसाइट पर डाल भी दिए जाएं तो इसके बारे में कितने लोग जान पाएंगे। इसकी पूरी प्रक्रिया ही इसे इसके वास्तविक लाभार्थियों से दूर रखती है।

अब जैसे इसका लाभ प्राप्त करने के लिए जरूरी है कि लाभार्थी का नाम आयुष्मान भारत योजना की लिस्ट में हो। इस लिस्ट में अपना नाम देखने के दो तरीके हैं। एक तो यह कि इसकी वेबसाइट पर जाकर अपना नाम देखें या फिर एक खास हेल्पलाइन नंबर पर पता करें। यह काम शहरी पढ़ा-लिखा वर्ग तो कर सकता है पर अशिक्षित, ग्रामीण और गरीब वर्ग के लिए यह काम आसान नहीं है।

जिनके पास इंटरनेट या फोन नहीं है, उनके लिए यह पता करना ही कठिन है कि लिस्ट में उनका नाम है भी है या नहीं। फिर इसमें जो सूची बनी है, उसमें भी कई लोगों के नाम छूटे हुए हैं। उसमें नाम जुड़वाना भी एक गरीब आदमी के लिए आसान नहीं है। उसे यह भी बताने वाला कोई नहीं है कि कहां किस अधिकारी से मिले। अगर कोई संबंधित अधिकारी तक चला भी जाए तो इस बात की गारंटी नहीं है कि उसका काम हो ही जाएगा।

यह योजना मुख्यतः समाज के एकदम कमजोर वर्ग के लिए बनाई गई है लेकिन इस बात का ध्यान ही नहीं रखा गया है कि दबा-कुचला वर्ग इसका इस्तेमाल कैसे करे। वैसे यह तमाम सरकारी योजनाओं की कॉमन बीमारी है। इन्हें बनाने वाले नौकरशाह मिडल क्लास के नजरिए से सारी योजना तैयार करते हैं, इसलिए वे जमीन पर ढंग से नहीं पहुंच पातीं और कई बार उनका फायदा समर्थ तबका उठा लेता है, जैसा कि आयुष्मान में भी हो रहा है।

एलआईसी को एनएसई में घटाना होगा 5 प्रतिशत स्टेक

मुंबई। लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी हस्ब में अपना स्टेक मौजूदा वित्त वर्ष के अंत तक 5 प्रतिशत घटाना होगा। इस मामले के जानकार दो सूत्रों ने ईटी को बताया कि मार्केट रेगुलेटर सेबी ने पब्लिक सेक्टर की इंश्योरेंस कंपनी को यह निर्देश दिया है। सेबी ने एक्सचेंज में इंश्योरेंस कंपनी के पांच पर्सेंट वोटिंग राइट्स को फ्रीज भी कर दिया है। बैंक एनएसई का शेयरहोल्डर होने के साथ ही उसका ट्रेडिंग मेंबर भी है। सेबी के रूल्स के मुताबिक किसी स्टॉक एक्सचेंज में ट्रेडिंग और असोसिएट मेंबर्स का टोटल इन्वेस्टमेंट और वोटिंग राइट्स 49 प्रतिशत से ज्यादा नहीं हो सकता। पिछले साल तक एनएसई में स्ट्रैटिजिक इन्वेस्टर मानी जाती थी, इसलिए यह रूल उस पर लागू नहीं होता था। हालांकि बैंक को खरीदने के बाद को ट्रेडिंग और असोसिएट मेंबर कैटिगरी में डाल दिया गया है। बैंक में स्ट्रक्चर के स्टेक का वर्ग बदलने से ट्रेडिंग मेंबर्स की मैक्सिमम शेयरहोल्डिंग लिमिट तय सीमा से 4.9 प्रतिशत ज्यादा हो गई। इस पर सेबी ने से स्टॉक

एक्सचेंज में अपना स्टेक घटाने के लिए कहा। जून में हस्ब के शेयरहोल्डिंग डेटा के मुताबिक, फिलहाल में 12.5 प्रतिशत स्टेक के साथ उसकी सबसे बड़ी शेयरहोल्डर है, जबकि बैंक के पास इसमें 1 प्रतिशत से थोड़ा ज्यादा स्टेक है।

लीगल एक्सपर्ट्स का कहना है कि सेबी ने यह कदम लीगल प्रोविजंस के हिसाब से उठाया है। उनके मुताबिक, हालांकि रेगुलेशन का मकसद एक्सचेंजों में ब्रोकर्स/ट्रेडिंग मेंबर्स के प्रभाव को सीमित करना था। तकनीकी तौर पर स्ट्रैटेजिक इनवेस्टर है, जिसका हस्ब सहित कई दर्जन कंपनियों में स्टेक है। ऐसे में इंश्योरेंस कंपनी को इस पाबंदी से छूट दी जानी चाहिए।

जीएसटी काउंसिल की बैठकः क्या मिलेगा रेट कट का तोहफा, मिलेगी सुस्त इकॉनमी को रफ्तार

नई दिल्ली। गुड्स ऐंड सर्विसेज टैक्स काउंसिल आज कई मुद्दों पर विचार करेगी। काउंसिल की बैठक गोवा में होगी, जिसमें सुस्त हो रही अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ाने के लिए कई आइटमों पर टैक्स कट का ऐलान किया जा सकता है। इस बैठक का मुख्य अजेंडा क्या है और किन चीजों पर रेट कट मिलने की संभावनाएं हैं। बैठक में होगी इन मुद्दों पर चर्चा

यह काउंसिल की 37वीं बैठक होगी, जिसमें 15वें वित्त आयोग से राय ली जाएगी और रेवेन्यू की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा, लॉ कमिटी अपनी रिपोर्ट पेश करेगी और कई

मदों पर रेट कट का ऐलान किया जाएगा। फर्जी इनवॉइस और रिफंड के बारे में चर्चा होगी। बैठक में नए रिटर्न सिस्टम, इंटीग्रेटेड रिफंड सिस्टम, इलेक्टॉनिक इनवॉइस, तस्क्र रजिस्ट्रेशन की आधार के साथ लिंकिंग, जम्मू कश्मीर और लद्दाख के नए केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद जीएसटी कानून में बदलाव आदि पर विचार होगा।

अमेरिका ने हुंदै हैवी इंडस्ट्रीज पर लगाया 4.70 करोड़ डॉलर का जुर्माना

वाशिंगटन। अमेरिका ने दक्षिण कोरिया की कंपनी हुंदै हैवी इंडस्ट्रीज के ऊपर 4.70 करोड़ डॉलर का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना पर्यावरण संबंधी नियमों का उल्लंघन कर खराब डीजल इंजन आयात करने और बेचने के कारण लगाया गया है। अमेरिका के न्याय विभाग ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने 2012 से 2015 के बीच डीजल से चलने वाले करीब 2,300 भारी निर्माण वाहनों का आयात किया, जिनमें ऐसे इंजन लगे थे जो अमेरिका के उत्सर्जन मानकों के अनुकूल नहीं हैं। बयान में कहा गया, ''हुंदै ने लोगों के स्वास्थ्य तथा कानून के ऊपर मुनाफे को तरजीह दी। हम ऐसी किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेंगे जो स्वच्छ हवा अधिनियम का उल्लंघन करता हो।'' इससे पहले अमेरिका की एक अदालत ने कंपनी के ऊपर 20 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया था।

त्योहारों से पहले सरकार ने कंपनियों को दिया तोहफा, कॉर्पोरेट टैक्स घटाया, शेयर बाजार में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली। जीएसटी काउंसिल की गोवा में होने वाली बैठक से पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए कई बड़ी घोषणाएं कीं। इस दौरान उन्होंने कंपनी और कारोबारियों को राहत देते हुए कॉरपोरेट टैक्स घटाने का ऐलान किया। निर्मला सीतारमण ने बताया कि टैक्स घटाने का अध्यादेश पास हो चुका है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि मेक इन इंडिया को प्रोत्साहित करने के लिए आईटी एक्ट में नए प्रावधान को जोड़ा गया है, जो सुनिश्चित करेगा कि कोई भी नई घरेलू कंपनी जिसका गठन 1 अक्टूबर 2019 या उसके बाद हुआ हो और जो नए सिरे से निवेश कर रही हो वो 15 फीसदी के दर से आयकर का भुगतान करेंगी।

बता दें कि जीएसटी काउंसिल की बैठक से पहले शुक्रवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घरेलू मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को बड़ी राहत दी है। निर्मला सीतारमण ने कॉर्पोरेट टैक्स में कटौती कर दी है। कंपनियों के लिए नया कॉर्पोरेट टैक्स 25.17 फीसदी तय किया गया है। इसके अलावा कंपनियों को कोई और टैक्स नहीं देना होगा। कैपिटल गेन पर सरचार्ज खत्म हो गया है। वित्त मंत्री के ऐलान के बाद शेयर बाजार में जोरदार उछाल देखने को मिला।

आर्थिक नरमी मानवनिर्मित, अब सरकारों के कदम उठाने की बारी : लगार्ड

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की पूर्व प्रमुख क्रिस्टीन लगार्ड ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी नरमी को मानवनिर्मित करार दिया और कहा कि इसे मानव ही सही भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ब्रेक्जिट तथा व्यापार तनाव जैसी समस्याएं हमने खुद ही बनायी हैं और हम इसे ठीक भी कर सकते हैं। लगार्ड ने वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर को कमजोर बताते हुए

कहा कि इसके इर्द-गिर्द जोखिम बना हुआ है। उन्होंने नीति निर्माताओं से मानवनिर्मित व्यवधान करने की अपील की। आईएमएफ की पूर्व प्रमुख की यह टिप्पणी ऐसे समय आयी है, जब आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने इस साल के लिये वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर का पूर्वानुमान 3.20 प्रतिशत से घटाकर 2.90 प्रतिशत कर दिया है। यह 2008 में वैश्विक आर्थिक संकट के शुरू होने के बाद की सबसे धीमी दर है। ओईसीडी ने यह भी कहा कि व्यापार तनाव से वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर को नुकसान रहा है।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप : आज इतिहास रचने उतरेंगे अमित पंघाल और मनीष कौशिक

रूस। अमित पंघाल (52 किग्रा) और मनीष कौशिक (63 किग्रा) आज जब फाइनल में जगह बनाने के लिए वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कड़े प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ रिंग में उतरेंगे तो भारत को इस प्रतियोगिता में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद लगी होगी। भारत के दो बॉक्सर कभी भी सेमीफाइनल तक नहीं पहुंचे थे। अगर दोनों या फिर इनमें से कोई एक फाइनल में पहुंच जाता है तो यह देश का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा।

रोहतक के पंघाल कजाकिस्तान के साकेन बिबोसिनोव से भिड़ेंगे, जिन्होंने चॉर्टर फाइनल में अर्मेनिया के यूरोपीय गोल्ड मेडल विजेता और छठे वरीय आर्टर होवहानिस्यान को हराया था। कौशिक का सामना उनके वजन वर्ग के सबसे मशहूर और क्यूबा के शीर्ष वरीय एंडी गोमेज क्रूज से होगा

जिन्होंने अंतिम आठ में रूस के आठवें वरीय इलिया पोपोव को मात दी। क्रूज 2017 में लाइट वेल्टरवेट (64 किग्रा) के गोल्ड मेडलिस्ट हैं और वह दो बार के पैन अमेरिकी खेलों के गोल्ड विजेता भी हैं।

देश के चीफ कोच सीए कुटप्पा ने कहा, 'मैं खुश हूं लेकिन जब तक दोनों फाइनल तक नहीं पहुंच जाते, तब तक पूरी तरह खुश नहीं होऊंगा। वे निश्चित रूप से ऐसा कर लेंगे।' भारतीय मुक्केबाजी के हाई परफॉर्मेंस निदेशक सांटियागो निएवा ने कहा, 'अब कठिन काम शुरू होगा।

रोहित और धोनी टीम में इसलिए कामयाब कप्तान हैं विराट : गौतम गंभीर

अहमदाबाद। इंटरनैशनल क्रिकेट में टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली का रेकॉर्ड लगातार शानदार रहा है। पूर्व क्रिकेटर और अब सांसद बने गौतम गंभीर इसके पीछे सबसे बड़ी वजह दो खिलाड़ियों को मानते हैं। गंभीर के मुताबिक, विराट कोहली के पास टीम में रोहित शर्मा और एमएस धोनी के रूप में दो कप्तान मौजूद रहे हैं, जिससे उन्हें कप्तानी में मदद मिलती है। एमएस धोनी भारत के महानतम कप्तानों में शुमार हैं, जिन्होंने भारत को दो बार (टी20 और वनडे) विश्व चैंपियन बनाया है, जबकि रोहित शर्मा आईपीएल फ्रैंचाइजियों में सबसे सफल कप्तान हैं। अपनी कप्तानी में उन्होंने मुंबई को सबसे ज्यादा 4 बार खिताब दिलाया है। यहां यूनिवर्सिटी छात्रों को संबोधित करने आए गौतम गंभीर ने इस कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, उन्हें (विराट) अभी काफी लंबा समय तय करना है। पिछले वर्ल्ड कप (इंग्लैंड) में विराट कोहली शानदार रहे। वह इंटरनैशनल क्रिकेट में इसलिए शानदार कप्तानी करते हैं क्योंकि उनके पास रोहित शर्मा हैं और काफी लंबे समय से उनके पास एमएस धोनी का मार्गदर्शन रहा है।

गौतम गंभीर ने कहा, एक कप्तानी की कप्तानी तब टेस्ट होती है, जब उसके पास प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के रूप में ज्यादा खिलाड़ी उपलब्ध नहीं होते। जब आप किसी फ्रैंचाइजी टीम की कप्तानी कर रहे होते हैं और वहां आपके पास ऐसे खिलाड़ी न हों, जो आपको मदद कर सकें। तब कप्तानी का टेस्ट होता है। आप विराट कोहली का आईपीएल में कप्तानी का रेकॉर्ड पर नजर देख सकते हैं। अपनी कप्तानी में कोलकाता

नाइटर राइडर्स को दो बार आईपीएल खिताब दिलाने वाले गंभीर ने कहा, जब भी मुझे इस बोलने के लिए कहा गया है तो मैंने हमेशा ही ईमानदारी से अपनी बात रखी है। आप रोहित शर्मा को देखिए, जिन्होंने मुंबई के लिए बहुत कुछ अचीव किया है। चैन्नै सुपरकिंग्स (सुस्य) के जो महेंद्र सिंह धोनी ने अचीव किया उसे देखिए।

आज का राशिफल

मेष- विद्यार्थी वर्ग लगन व उत्साह से अपना कार्य कर पाएंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त कर सकेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

वृष- किसी अपने ही व्यक्ति से संबंध तनावपूर्ण हो सकते हैं। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ रहेगी। शारीरिक कष्ट की आशंका है।

मिथुन- थोड़े प्रयास से ही कार्य बनने लगेंगे। मित्रों व रिश्तेदारों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। कोई शारीरिक कष्ट हो सकता है।

कर्क- पारिवारिक संबंधियों का आगमन हो सकता है। देखरेख में व्यय होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। हल्की हंसी-मजाक से बचें।

सिंह- किसी बड़ी समस्या से निजात मिल सकती है। छोटी-मोटी समस्या बनी रह सकती है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या- कोई बड़ा खर्च होने की संभावना है। आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा।

तुला- डूबी हुई रकम प्राप्त होने के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा लंबी हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नए अनुबंध हो सकते हैं। शत्रु नतमस्तक होंगे।

वृश्चिक- शत्रुओं का पराभव होगा। आर्थिक उन्नति के लिए नई योजना बनेगी। समाजसेवा की प्रेरणा प्राप्त होगी। मान-सम्मान मिलेगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु- किसी पुराने रोग के उभरने की आशंका है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। किसी विशेष व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है।

मकर- प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। किसी विवाद से तनाव रहेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कुंभ- जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। भाग्य की अनुकूलता का लाभ लें।

मीन- किसी कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

बचे हुए चावल से बनाएं बहुत ही मजेदार क्रिस्पी व यम्मी पकौड़े

चावल तो हम सभी के घर में रोजाना ही बनाये जाते हैं, अक्सर जब दोपहर में चावल बनाते हैं तो वह बच जाते हैं आज हम आपको उन बचे हुए चावल से बहुत ही मजेदार क्रिस्पी व यम्मी पकौड़े बनाना बताएंगे।

जो बहुत ही स्वादिष्ट बनते हैं. चावल के पकोड़े बनाने के लिये चावल आप बना लीजिये या फिर आपके पास सुबह के खाने में बने चावल बच गये हैं तो उसका भी इस्तेमाल कर सकते है-

सामग्री

पके हुए चावल 2 कप, प्याज 2, अदरक 1 1/2(डेढ़ इंच टुकड़ा, ताज़े पुदीने के पत्ते 1/4(एक चौथ कप, बेसन 1/2(आधा) कप, नमक स्वादानुसार, हरी मिर्च बारीक कटा हुआ4, चाट मसाला 1 छोटा चम्मच

विधि-

एक कढ़ाई में आवश्यकतानुसार तेल गरम करने रखें।

प्याज, अदरक और पुदीने के पत्ते एक चॉपर में काट लें।

चावल को एक बाउल में लें, उसमें डालें कटे हुए प्याज-अदरज-पुदीने के पत्ते, बेसन, नमक, हरी मिर्चें और चाट मसाला और अच्छी तरह मिला लें।

इस मिश्रण के मध्यम आकार के बॉल्स बना लें और गरम तेल में डालकर सुनहरा और करारे होने तक तल लें। तेल से निकालकर एब्सॉरबेन्ट पेपर पर रखें। गरमागरम परोसें।

शब्द सामर्थ्य- 92

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भुत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

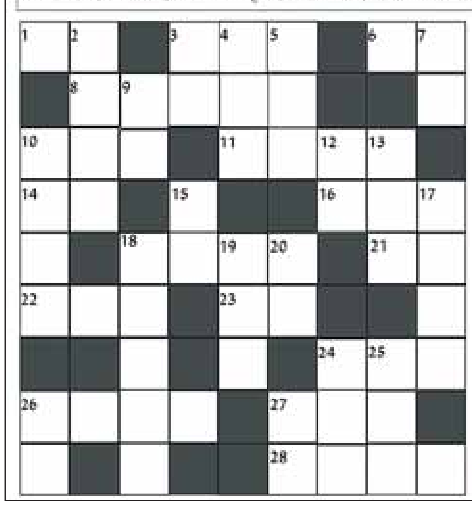

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 91 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा		म	हा	र	त
क		ह					ज	न
	जा	न	की		क	म	नी	य
		त	म	क	ना			
म			त	ह	त		दा	ब
सी	मा			ला		स	न	द
हा	थ	म	ल	ना		वा		च
		द			घा	ल	मे	ल
	ब	द	ह	वा	स			न

सू-दोकू- 92

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.91 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1